- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 शिक्षक संघ के प्रमंडलीय अध्यक्ष जयराम बर्खास्त, 6 वर्षों के लिए निलंबित

04 विलुप्त के कगार पर है लोक संस्कृति कला झिझिया

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 21 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 257

लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं बिहार में ही फली-फूलीं : राष्ट्रपति

बीएनएम@गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार दौरे के आखिरी दिन शुक्रवार को गया स्थित दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही बिहार प्रतिभाओं को निखारने के लिए जाना जाता रहा है।

उन्होंने कहा कि बिहार की धरती पर चाणक्य और आर्यभट्ट जैसे महान विद्वानों ने समाज-राज्य व्यवस्था के साथ गणित-विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी योगदान दिया। उन्होंने कहा कि सभी को इस बात पर गर्व है कि दुनिया की पहली लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं बिहार (वैशाली) की धरती पर ही फली-फूलीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि इसी पवित्र भूमि पर भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने शांति, अहिंसा, करुणा और प्रेम का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने भी 'अहिंसा

परमो धर्म' का संदेश को नया आयाम इसी धरती पर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर, भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी की शिक्षाएं आज और भी अधिक प्रासंगिक हैं और हमारे देश की इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने से विश्व कल्याण में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि युवा छात्र इन समृद्ध परंपराओं के वाहक हैं। वे चुन सकते हैं और एक बेहतर समाज, देश और दुनिया बनाने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने छात्रों से अपनी व्यक्तिगत प्रगति के साथ-साथ सामाजिक कल्याण और परोपकार के मूल्यों को अपने लक्ष्यों में शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समग्र लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास उनकी शिक्षा को सार्थक साबित करेंगे और सफलता के द्वार खोलेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज बिहार के प्रतिभाशाली लोग देश-विदेश में चौथी औद्योगिक क्रांति में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रदेश के उद्यमशील लोगों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनायी है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रगति के ऐसे वैश्विक मानक स्थापित करना सभी का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों से इस परिवर्तनकारी दौर में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

निठारी कांड: मनिंदर सिंह पंढेर जेल से रिहा, हाई कोर्ट ने किया था बरी

नोएडा। बहुचर्चित निठारी कांड में आरोपित रहे और डी-5 कोठी के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर आखिरकार शुक्रवार को गौतमबुद्ध नगर जिला जेल से रिहा कर दिया गया। पंढेर को इलाहाबाद हाइ कोर्ट के फैसले के बाद रिहा किया गया है।

हाई कोर्ट ने उसे मामले से बरी कर दिया था। अब परवाना आने पर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद मनिंदर को जेल से रिहा किया गया। जेल से बाहर आने के दौरान उसे कुर्ता-पजामा में देखा गया। उसके साथ उसका एक परिजन था, जिसने उसका थैला हाथ में ले रखा था। साथ में तीन वकील भी थे।

देश में 28-29 अक्टूबर की दरम्यानी रात को लगेगा आंशिक चंद्रग्रहण

नई दिल्ली। देश में 28-29 अक्टूबर की दरम्यानी रात को आंशिक चंद्र ग्रहण लगेगा। ग्रहण मध्यरात्रि के आसपास देश में सभी स्थानों पर दिखाई देगा। ग्रहण पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, यूरोप, अफ्रीका, पूर्वी दक्षिण अमेरिका, उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, अटलांटिक महासागर, हिंद महासागर तथा दक्षिण प्रशांत महासागर के क्षेत्रों में दिखाई देगा। ग्रहण 28-29 अक्टूबर की दरम्यानी रात को 01 बजकर 05 मिनट पर शुरू होकर 02 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगा। उल्लेखनीय है कि भारत में दिखाई देने वाला अगला चंद्र ग्रहण 07 सितंबर, 2025 को होगा, जो पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। भारत में दिखाई देने वाला आखिरी चंद्रग्रहण 8 नवंबर, 2022 को था, जो पूर्ण ग्रहण था।

मनरेगा के लिए धन की कोई कमी नहीं: गिरिराज

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में धन की कोई कमी नहीं है। यह योजना डिमांड आधारित है। हम जितना वित्त मंत्रालय से मांगते हैं उतना हमें उपलब्ध करा दिया जाता है।

गिरिराज ने शुक्रवार को ग्रामीण विकास मंत्रालय की 9 वर्षों की उपलब्धियों पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस मनरेगा को लेकर भ्रम फैलाने का काम करती है, लेकिन इस योजना को लेकर केंद्र सरकार गंभीर है और धन की कोई कमी नहीं है। सिंह ने कहा कि बीते 09 वर्षों में गांव, किसान, मजदूर के हित में मोदी सरकार ने काम किया है। इसका असर जमीन पर दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि 2014 से दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कुल 7.33 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) में शामिल किया गया है। बैंकों की ओर से स्वयं सहायता समूहों को वितरित ऋण की राशि 7.22 लाख करोड़ से अधिक है। यह प्रशंसनीय है कि 2014 के बाद से गैर निष्पादित परिसंपत्तियों का प्रतिशत घटकर 1.88 फीसदी हो गया है। सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आगामी दिसंबर महीने तक हम 10 करोड़ एसएचजी दीदियों तक पहुंचे और कम से कम 02 करोड़ दीदियों को लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। विभाग की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पिछले 09 वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में 3.21 करोड़ घर पूरे किए जा चुके हैं। इन पिछले 09 वर्षों में लाभार्थियों को घर निर्माण के लिए कुल 2.48 लाख करोड़ की सहायता प्रदान की गई। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कुल 7.44 लाख किलोमीटर लंबाई की सड़क पूरी हो चुकी है और 1.62 लाख से अधिक ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसम वाली सड़कों से जोड़ा गया है। मनरेगा के तहत, पिछले 09 वर्षों के दौरान कुल 2,644 करोड़ व्यक्ति दिवस सृजित किए गए हैं और 6.63 लाख करोड़ से अधिक केंद्रीय हिस्सेदारी के रूप में जारी किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण पहल के रूप में 67 हजार से अधिक 'अमृत सरोवर' का निर्माण किया गया है।

सवाल प्रियंका गांधी ने मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने पर दागा सवाल

पीएम पद छोड़कर राजस्थान सीएम बनेंगे मोदी

दौसा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा के लोग कहते हैं कि विधानसभा चुनाव में हमारा चेहरा नरेन्द्र मोदी होंगे। जनता को उनसे पूछना चाहिए कि क्या वे प्रधानमंत्री पद छोड़कर राजस्थान के मुख्यमंत्री बनने आएंगे? उनका मकसद सिर्फ सत्ता में बने रहना है। उनकी नीति बन गई है, गरीबों से खींचना और उद्योगपतियों को सींचना। प्रियंका ने कहा कि भाजपा सरकार आएगी तो ओल्ड पेंशन स्कीम खत्म होगी, सस्ते सिलेंडर का क्या होगा? इन सवालों का जवाब ढूंढने से भी नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कई नेता खुद को मुख्यमंत्री घोषित कर रहे हैं। कहीं का ईंट, कहीं का रोड़ा, मोदीजी ने कुनबा तोड़ा। पूरी भाजपा टूटी हुई

है, दूसरी तरफ कांग्रेस एकजुट है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना जनजागरण कैंपेन को धार देने के लिए आईं प्रियंका गांधी शुक्रवार को दौसा जिले के कांदोली में एनएच-21 पर स्थित भारत जोड़ो स्थल पर जनसभा को संबोधित कर रही थी। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों और भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम लागू कर सकती है तो भाजपा इस मुद्दे पर चुप क्यों है? प्रियंका ने कहा कि मैंने टीवी पर देखा, पता नहीं सच है कि नहीं। देवनारायण मंदिर में कुछ समय पहले प्रधानमंत्री गए थे और एक लिफाफा डाल आए। मैंने टीवी पर देखा कि छह महीने बाद प्रधानमंत्री का लिफाफा खोला गया। जनता सोच रही थी कि भगवान जाने क्या होगा इस लिफाफे में? देश के इतने बड़े नेता आए थे, वह लिफाफा डालकर गए थे। लिफाफा खोला तो उसमें 21 रुपए निकले। अब आप मुझे बताइए एक तरह से देश में यही हो रहा है। बड़ी-बड़ी घोषणाएं हो रही हैं, मंच पर खड़े होकर कैसे-कैसे लिफाफे दिखाए जा रहे हैं।

NCR में एक नवंबर से सिर्फ CNG, इलेक्ट्रिक बीएस-6 डीजल बसें का ही होगा संचालन

सीएक्यूएम ने जारी किए सख्त निर्देश

नई दिल्ली। प्रदूषण की रोकथाम के मद्देनजर दिल्ली एनसीआर में चलने वाली बसों के संचालन को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। शुक्रवार को केंद्र सरकार के साथ राज्यों की संयुक्त बैठक के बाद आयोग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि एक नवंबर से हरियाणा, राजस्थान और उत्तरप्रदेश से दिल्ली आने वाली बसें इलेक्ट्रिक, सीएनजी और बीएस 6 डीजल से चलने वाली हीं हो।

आयोग के निर्देश के अनुसार एक नवंबर से हरियाणा के एनसीआर इलाके और दिल्ली के बीच सिर्फ इलेक्ट्रिक, सीएनजी, वीएस 6 डीजल बसों का ही संचालन हो। इसके साथ

ही एक जनवरी 2024 से राजस्थान के गैर एनसीआर क्षेत्र से दिल्ली के बीच चलने वाली बसें इलेक्ट्रिक, सीएनजी, बीएस 6 डीजल से चलने वाली ही बसें हों। इसके साथ ही एक अप्रैल 2024 से उत्तर प्रदेश के एनसीआर के आठ जिलों के बीच सिर्फ इलेक्ट्रिक, सीएनजी, बीएस 6 डीजल बसों का ही संचालन किया जाएगा।

जदयू पर सुशील मोदी का तंज –विलय या विघटन के कगार पर खड़े दल की हमें आवश्यकता नहीं

पटना। पूर्व उप-मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ने नहीं, नीतीश कुमार ने ही पीठ में छुरा भोंका और जनादेश से विश्वासघात किया।अब हमें उनकी आवश्यकता नहीं है।

सुशील मोदी ने कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू को 44 और भाजपा को उससे ज्यादा 75 सीटें मिलने के बाद भी चुनाव-पूर्व वादे का पालन करते हुए नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनाना क्या श्पीठ में छुरा भोंकनाश् है? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का जनाधार लगातार घट रहा है। उनके नेतृत्व में जदयू को 2010 में 115 , 2015 में 75 और 2020 में 44 सीटें मिलीं। मोदी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री मोदी ने जदयू के लिए भी वोट न मांगे होते, तो पार्टी की हालत और खराब होती। इसका आभार मानने के बजाय ललन सिंह रोज प्रधानमंत्री और भाजपा को कोस रहे हैं।उन्होंने कहा कि लोग देख रहे हैं कि किसने किसकी पीठ में छुरा भोंका और किसने पलटी मारी?

सुशील मोदी ने कहा कि क्या नीतीश कुमार इतने कमजोर हो गए हैं कि चिराग पासवान उनकी पार्टी को 44 सीट पर उतार दे? उन्होंने कहा कि किसी पर आरोप लगाने से पहले जदयू को अपनी जमीन देखनी चाहिए। मोदी ने कहा कि पिछले साल विधानसभा के तीन में से दो उपचुनाव भाजपा ने जीते और मोकामा में पार्टी 60 हजार वोट पाकर दूसरे स्थान पर रही। नीतीश कुमार अपना वोट ट्रांसफर नहीं करा पाए। उन्होंने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा, आरसीपी सिंह और जीतन राम मांझी ने जदयू का साथ छोड़ दिया। उनके दर्जन-भर नेता भाजपा में आए, लेकिन भाजपा छोड़ कर कोई नहीं गया। जब नीतीश कुमार की पार्टी विलय या विघटन के कगार पर खड़ी है, तब भाजपा को उनकी कोई आवश्यकता नहीं है।

कुंभ का 29 अक्टूबर को होगा ध्वजारोहण

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिला में स्थित सिमरिया गंगा धम्म 29 अक्टूबर से लगने वाले कुंभ की तैयारी युद्धस्तर पर चल रही है। इस कुंभ में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद से जुड़े कई महामंडलेश्वर सहित देश के विभिन्न राज्यों से साधु-संत पधार रहे हैं। इसके लिए व्यापक व्यवस्था की जा रही है। शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी विस्तार से जानकारी कुंभ सेवा समिति द्वारा दी गई। कुंभ सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. नलिनी रंजन सिंह ने कहा कि शास्त्र पर आधारित कुंभ की शुरुआत बेगूसराय के सिमरिया में 2011 में की गई थी। 2017 के कुंभ में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी आए थे। कुंभ का आयोजन सिर्फ सनातन धर्म का प्रतीक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक धरोहर है। कुंभ सेवा समिति के महासचिव रजनीश कुमार ने कहा कि यह सिर्फ आध्यात्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकास और सांस्कृतिक उपलब्धि है। देश में चार जगह पर कुंभ लगता था, लेकिन संत समाज, शास्त्र और स्वामी चिदात्मन जी के प्रयास से 2011 एवं 2017 में सिमरिया में जब कुंभ लगा तो आस्था के इस कुंभ में देशभर के लाखों लोग आए। कुंभ के बाद ही सिमरिया का विकास शुरू किया गया।

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ बिहार राज्य इकाई का पुनर्गठन

कुमार निशांत अध्यक्ष तो सागर सूरज बने प्रदेश महासचिव

राजेश कुमार सिंह

पटना। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अधयक्ष अशोक पाण्डेय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन द्वारा बिहार राज्य इकाई का बिहार विधानसभा के प्रांगण में पुनर्गठन किया गया। इस अवसर पर आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय सचिव एस एन श्याम ने बीएसपीएस का दामन थामा। वही संघ का विस्तार करते हुए अमर उजाला के ब्यूरो प्रमुख कुमार निशांत को अध्यक्ष एवं बॉर्डर न्यूज मिरर के संपादक सागर सूरज को प्रदेश महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया । मौके पर उपस्थित राजेश कुमार सिंह, संजीव जायसवाल, नीरज कुमार आदि पत्रकारों द्वारा सभी पदाधिकारियों को माला पहना कर स्वागत किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के बिहार राज्य इकाई के पुनर्गठन से बिहार भर के पत्रकारों को एक मजबूती मिली है। नवनियुक्त अध्यक्ष कुमार निशांत ने कहा कि बिहार में पत्रकारों को अपराधी और पुलिस दोनो को सामान्य रूप से झेलना पड़ता है, जिसकी एक ईमानदार लड़ाई आवश्यक है वही नवनियुक्त प्रदेश महासचिव सागर सूरज ने कहा बिहार के पत्रकार असहाय हो गए है । उनकी ना तो पुलिस सुनती है और ना ही नेता । देश का चौथा स्तंभ सदमे में है । बीएसपीएस संगठन पत्रकारों की आवाज बनेगी ।

अपर पुलिस महानिदेशक को सौपा ज्ञापन

बिहार में एक तरफ अपराधी बेलगाम हो गए है वही दूसरी तरफ प्रशासन नेत्रहीन हो गई है। आए दिन बिहार में पत्रकारों की हत्या, जानलेवा हमला एवं झुठा मुकदमा कर फंसाया जा रहा है।उपरोक्त मामले में प्रशासन की शिथिलता यह दर्शाती है कि अपराधियों को प्रशासन की तरफ से खुली छूट है। बता दें कि उक्त मामलें को लेकर भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की बिहार राज्य इकाई ने राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम ने बिहार के अपर पुलिस महानिदेशक जितेन्द्र सिंह गंगवार को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें लगभग पांच पत्रकारों के मामलों का उल्लेख है। उपरोक्त ज्ञापन के संबंध में अपर पुलिस महानिदेशक ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल चंपारण रेंज के डीआईजी को न्यायसंगत कार्यवाई करने एवं पत्रकारों पर चल रहे झुठे मुकदमें की जांच कर मामलें को खत्म करने का आदेश दिया। उक्त मौके पर वरिष्ठ पत्रकार एस एन श्याम, सागर सूरज, कुमार निशांत, राजेश कुमार सिंह, संजीव जायसवाल एवं नीरज कुमार उपस्थित थे।

दुस्साहस दबंगई पर मूकदर्शक बनी पुलिस

ट्रेन से खींचकर युवक को बेरहमी से पीटा

नवादा। ट्रेन के रूकते ही एक युवक को शुक्रवार को खीच कर जबरदस्त तरीके से धुनाई कर दी गयी और स्टेशन पर तैनात सुरक्षाकर्मी मूकदर्शक बने रहे।यह मामला नवादा जिले के तिलैया जंक्शन का है।

तिलैया जंक्शन पर ज्यों हीं ट्रेन रुकी कि एक युवक को ट्रेन की बोगी से खींचकर प्लेटफार्म पर उतारा गया और उसपर पूर्व से तैयार युवाओं की भीड़ ने लाठियां बरसाना शुरू कर दिया। युवक अकेला भागता रहा और सहायता की गुहार लगाता रहा ,लेकिन किसी ने भी बीच-बचाव करने की जहमत नहीं उठाई।

जंक्शन पर कार्यरत अधिकारी कर्मचारी एवं रेल पुलिस कोई भी आगे नहीं आया. युवक पीटता रहा और भीड़ मूकदर्शक बनी रही ..इस मारपीट से युवक बुरी तरह से जख्मी हो गया. आती गांव के मुखिया जितेंद्र कुमार सिंह ने

कहा है कि किसी भी कीमत पर इस घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।अगर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो इसका परिणाम और भी बुरा होगा। बताया गया कि युवक नवादा जिले के कादिरगंज थानाक्षेत्र के आंती ग्राम निवासी संजीत कुमार है.मारपीट के बाद जख्मी युवक को उसके मित्र नवादा ले गए। घायल युवक भी घटना का कारण नहीं बता पा रहा है ।लेकिन इस दर्दनाक घटना ने देखने वालों के रूह को कांपने को मजबूर कर दिया।

शिक्षक संघ के प्रमंडलीय अध्यक्ष जयराम बर्खास्त, प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्षों के लिए निलंबित

नवादा। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बिहार राज्य अध्यक्ष बृजनंदन शर्मा ने नवादा के निवासी तथा प्राथमिक शिक्षक संघ मगध प्रमंडल के अध्यक्ष जयराम शर्मा को अनुशासनहीनता तथा संगठन के विरुद्ध प्रचार के आरोप में सभी पदों से बर्खास्त कर दिया है ।श्री शर्मा ने उन्हें शिक्षक संघ के प्राथमिक सदस्यता से भी 6 वर्षों के लिए निलंबित कर दिया है ।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री शर्मा ने अपने कार्यालय आदेश में कहा है कि जयराम शर्मा के विरुद्ध नवादा तथा बिहार के विभिन्न कोणों के शिक्षकों ने यह शिकायत की थी कि जयराम शर्मा सोशल साइट तथा अन्य माध्यमों से भी शिक्षक संघ के नीतियों तथा चुने गए प्रांतीय अध्यक्ष सहित अन्य संगठन के पदाधिकारी के विरुद्ध प्रचार कर रहे हैं ।इस रवैया को घोर अनुशासनहीनता मानते हुए जांच कराई गई। जिसमें पाया गया की जय राम शर्मा सही मायने में संगठन के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रहे हैं ।

इन मामलों के दोषी करार देते हुए उन्हें मगध प्रमंडल के अध्यक्ष पद से बर्खास्त किए जाने के साथही संगठन के सभी पदों से बर्खास्त कर दिया गया। इस बर्खास्त्री के विरुद्ध जयराम शर्मा अपने को अध्यक्ष बता रहे थे तथा जारी कार्यालय के आदेश पत्र को भी गलत ठहरा रहे थे ।जिसके विरुद्ध नवादा जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि जय राम शर्मा को मगध प्रमंडल के अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों से बर्खास्त कर दिया गया है तथा 6 वर्षों के लिए उनकी प्राथमिक सदस्यता से निलंबन के आदेश बिल्कुल सही है ।इन्हें भ्रामक बताना बिल्कुल ही गलत है ।

मां दुर्गा की डोली यात्रा में भक्तिमय हुआ माहौल

पताही। प्रखंड के जिहुली बजार पार आयोजित दुर्गा पूजा मे शुक्रवार को षष्ठी तिथि को श्री कात्यायनी पूजा अर्चना कर देवी स्वरूपा बेलवंती रानी को डोली में लेकर जब श्रद्धालुओं का काफिला गाँव की सड़क पर निकला तो नजारा देखते ही बनता था। मां दुर्गा की डोली को बारी-बारी से सभी श्रद्धालुओं ने कंधा लगाए।

हर कोई मां की डोली को कंधा लगाने को बेचैन था। इससे पूर्व वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच माता को निमंत्रण दिया गया था। जिसके बाद जिहुली दुर्गा पूजा पंडालों में माता की डोली सजी और बैंड बाजे के बीच भक्त मां को बुलाने के लिए निकल पड़े। दुर्गा मां का डोली गांव के ब्रह्मस्थान महारानी स्थान होते हुए अपने गंतव्य स्थान पर श्रीमंत सिंह के दरवाजे स्थित बेल के पेड़ के पास कर पहुंचकर मां का आराधना कर आमंत्रण दिया गया। वही पताही प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर आयोजित दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों द्वारा सभी पूजा पंडालों से माता की डोली निकली। डोली यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पताही थाना अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह महिला व पुरुष सुरक्षाकर्मियों के साथ मुस्तैद रहे। पताही मुख्यालय से निकली डोली यात्रा नन्हकार पूर्व प्रमुख के दरवाजे तक गई। वहां से भक्तों का काफिला माता के मंदिर तक गया। जहां से भक्त पुनः पूजा पंडाल पहुंचे। इस दौरान मां दुर्गा के जयकारे से वातावरण गुंजायमान हो गया। भक्तिमय माहौल के बीच निकली डोली यात्रा में जिहुली दुर्गा पूजा समिति के मुकेश कुमार उर्फ पप्पू सिंह, श्रीनाथ शर्मा, शैलेंद्र सिंह, सुरेश सिंह, हरिशंकर सिंह उर्फ नागा, नीरज कुमार सिंह, पंकज कुमार सिंह, मुरारी कुमार, रजनीश कुमार, श्रीनिवास कुमार पत्रकार समेत अन्य शामिल थे।

बीपीएससी शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में कई नियोजित शिक्षकों को सफलता मिली

बीएनएम@केसरिया

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में क्षेत्र के कई नियोजित शिक्षकों ने सफलता प्राप्त की है। इनमें प्राथमिक, मध्य व उच्च विद्यालय में कार्यरत नियोजित शिक्षक शामिल हैं। यूएमएस सुन्दरापुर मौजे में पदस्थापित शिक्षक दीनानाथ प्रसाद, यूएमएस रामाज्ञा टोला बेनीपुर के प्रमोद कुमार यादव व यूएमएस सुन्दरापुर(घुसुकपुर) में कार्यरत शिक्षक ऋषिराज कुमार को पुनः शिक्षक बनने का अवसर मिला है।

वहीं आर्य कन्या प्रोजेक्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक सुबोध कुमार ने भी सफलता पायी है। इससे पहले इस विद्यालय के चंदन कुमार सहित तीन शिक्षकों ने परचम लहराया था। इस सफलता पर शिक्षक नेता सीताराम यादव, ओमप्रकाश सिंह, कैलाश पाल, सेवानिवृत्त कानूनगो बहादुर ठाकुर, पीताम्बर राम, विनय कुमार सहित अन्य ने हर्ष व्यक्त किया है।

अवैध रेल टिकट का कारोबारी गिरफ्तार

मोतिहारी। जिले में रक्सौल आरपीएफ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए अवैध रूप से रेल ई टिकट काटने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते हुए आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप ने बताया कि सूचना मिली थी कि छौड़ादानों में रेलवे ई टिकट का अवैध कारोबार चल रहा है। जिसके बाद वेब कार्नर नामक एक दुकान में छापेमारी किया गया। इस दौरान काउंटर पर रखे लैपटॉप एव मोबाइल दोनो की जांच की गई तो उसमें पांच पर्सनल यूजर आईडी व एक अदद ई मेल आईडी मिला जिसकी जांच करने पर अलग-अलग तिथियों का बनाया गया 2 आगामी रेलवे ई टिकट व 3 पूर्व यात्रा रेलवे ई टिकट जिसका मूल्य बारह हजार तीन सौ सत्ताईस है,उसे बरामद करते हुए उक्त आईडी की जांच की गई तो पूर्व में 79 हजार 950 रुपये का टिकट बनाकर ग्राहकों को बेचा गया है।

एनएनडी कॉलेज का किया गया निरीक्षण

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में शुक्रवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के आदेश पर डॉ. रवि कुमार, जेएलएमएन कॉलेज, घोड़ासहन द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार के साथ एकेडमिक ब्लॉक, बीएड ब्लॉक, निर्माणाधीन पीजी ब्लॉक, कार्यालय कक्ष, शिक्षक कक्ष, सभी वर्ग कक्ष, सभी प्रयोगशाला, पुस्तकालय, लैंग्वेज लैब, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, सभागार, जिम, क्रीड़ा मैदान इत्यादि का सूक्ष्मता पूर्वक निरीक्षण किया। उन्होंने दुर्गा पूजा अवकाश होने के पूर्व अंतिम दिन समय सारणी के अनुकूल चल रही यहां की कक्षाओं को देखकर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने यहां पदस्थापित सभी नियमित शिक्षकों, अंशकालीन अतिथि शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों की भौतिक उपस्थिति का अनुश्रवण करते हुए सभी का परिचय भी प्राप्त किया। प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार के साथ निरीक्षी पदाधिकारी डॉ. रवि कुमार ने भौतिकी, रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, मनोविज्ञान एवं भूगोल की कार्यशील प्रयोगशाला का भी निरीक्षण करते हुए पुस्तकालय की भंडार पंजी एवं वितरण पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होंने यहां लेखा शाखा के सभी शीर्ष व उपशीर्ष में रोकड़ पंजी के अद्यतन होने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने इस महाविद्यालय में गणित, मनोविज्ञान एवं अंग्रेजी में शिक्षकों की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए यथाशीघ्र विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों को अनुशंसा प्रेषित करने की बात कही। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने संवाद प्रेषित करते हुए बताया कि निरीक्षण के मौके पर डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. राजेश कुमार सिन्हा, डॉ. सुबोध कुमार, प्रो.दुर्गेशमणि तिवारी, डॉ. सर्वेश दूबे, प्रो.राकेश रंजन कुमार, प्रो.अरविंद कुमार, डॉ.जौवाद हुसैन डॉ.रवि रंजन सिंह, प्रो.रामप्रवेश, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. स्वर्णा रानी, सहित अन्य शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित रहे।

श्रद्धा मातेश्वरी पूजा के छठें दिन निकाली गई मनमोहक यात्रा

बेल पूजन के लिए निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

रामगढ़वा। मां दुर्गा पूजा के अवसर पर प्रखंड के विभिन्न पूजा समितियां के द्वारा बेल पूजन के लिए शोभा यात्रा निकाली गई है।

शुक्रवार को श्री महाबीर पूजा समिति व श्री राम जानकी दुर्गा पूजा समिति एवम श्री संकर मंदिर पूजा समिति रामगढ़वा मे मातेश्वरी पूजा के छठें दिन बेल निमंत्रण के शुभ अवसर पर देवी एवं देव स्वरुपा बच्चें बच्चियों से सुसज्जित अद्वितीय, शोभा यात्रा भव्य जन शैलाव के साथ शक्ति स्वरुपा जगत जननी माँ की शोभा यात्रा मे हजारों - हजार की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने अपनी हाजिरी लगाई ।पूजा समिति के अध्यक्ष संजय शहनी के द्वारा बताया गया कि बिगत 20 वर्षों से हमारें यहाँ माता की पूजा हो रही है जिसमें रामगढ़वा ग्रामवासी अपनी श्रद्धा एवं भक्ति की अनुठा मिशाल पेश करते है एवं भक्ति भाव से ओतप्रोत रहते हैं उक्त अवसर

पर शक्ति स्वरुपा देवी एवं देवताओं का स्वरुप जुलुस की शोभा मे चार- चाँद लगा रहें थे वही हमारे यहाँ आज के दिन उत्सव का माहौल रहता है ।माँ दुर्गा के छठें रुप की पूजा आचार्य श्री बिपिन तिवारी जी के द्वारा विधि सम्मत मंत्रोचार के द्वारा माँ कात्यायनी की पूजा अर्चना की जा रही हैं।

वहीं माता के पुजेरी संजय सहनी ने बताया कि हमारे माई के दरवार मे प्रातः कालीन एवं संध्या आरती मे अद्भुत क्षट्टा देखने को मिलती है उन्होंने सभी भक्तों से दर्शनार्थ अपील की है कि इसे देखना न भुलें।बगाजे- बाजें से सुसज्जित इस भव्य शोभायात्रा में पूजा समिति के सचिव कुणाल गुप्ता, उपाध्यक्ष आनंद गुप्ता , राधेश्याम सिंह, कोषाध्यक्ष विकास सहनी , ललन प्रसाद, राजा कुमार, सनी कुमार, बादल कुमार, विजय सहनी, ओमप्रकाश शहनी समेत समस्त ग्रामवासी माता के शोभा यात्रा मे भाग लिए।

कांग्रेस नेता प्रभुनाथ के निधन पर शोक की लहर

मोतिहारी। पिपरा थाना क्षेत्र के बेदिबन मधुबन निवासी वयोवृद्ध कांग्रेसी नेता सह गांधीवादी प्रभुनाथ पाण्डेय अब इस दुनिया में नहीं रहे। गुरुवार की सुबह हृदयघात के बाद उन्होंने शहर के एक निजी क्लीनिक में अंतिम सांस ली। 90 वर्षीय वरीय कांग्रेसी नेता प्रभुनाथ पाण्डेय के निधन से पार्टी सहित उनके शुभचिंतकों में शोक की लहर व्याप्त है। स्व. पाण्डेय के जीवन पर गांधी जी के विचारों का गहरा प्रभाव रहा। वे जीवनपर्यंत गांधी के विचारों का प्रचार-प्रसार करते रहे। आजाद भारत में छात्र जीवन से ही वे कांग्रेस पार्टी से जुड़े थे। सत्तर के दशक तक राजनीति में सक्रिय रूप से जुटे रहे। इसके बाद ग्राम स्वराज, भू आंदोलन एवं खादी ग्राम उद्योग से जुड़ कर उन्होंने समाज की भरपूर सेवा की।

जनता दरबार में शामिल हुए जिलाधिकारी

कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट हुआ समाधान

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम@बेतिया। जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में पूर्व निधारित कार्यक्रम के अनुसार जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जनता दरबार में कई समस्याओं/शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-82 मामले आये, जिसमें राजस्व शाखा के 40, शिक्षा के 15, पुलिस के 10, विकास के 15 सहित अन्य विभागों से संबंधित मामले शामिल हैं। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो पाया, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया।

आज के जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया, उनमें हिमांशु कुमार, इमरान अंसारी, जितु सिंह, झौरी देवी, हसन मियं, विपिन बिहारी मिश्र, जोखन पंडित, रमेश कुमार केडिया, विश्वनाथ झुनझुनवाला, ऋषभ सिन्हा, मुखी राम, शम्भु शरण दुबे, रामाकांत यादव, सुमित्रा देवी, नागेन्द्र राउत, सविता कुमारी, चंद्रज्योति देवी, सिकंदर पासवान, पल्लवी कुमारी, रामायण यादव, गीता देवी, भुआल राम आदि के नाम शामिल है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अनिल कुमार, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, वरीय उप समाहर्ता, डॉ.राजकुमार सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छतौनी दुर्गा पूजा पंडाल में दिखेगी कोलकाता के चंडी मंदिर का नजारा

मोतिहारी। जिले में हर तरफ शारदीय नवरात्र की धुम दिखने लगी है।लोगो में पूजा को लेकर उत्साह चरम पर है।विभिन्न पूजा पंडालो को अंतिम रूप दिया जा रहा है।आदिशक्ति मां दुर्गा की प्रतिमा की सजावट भी पूरी कर ली गयी है।मोतिहारी शहर के छतौनी चौक बस स्टैंड परिसर में इस वर्ष कोलकाता के कारीगर कोलकाता के चंडी मंदिर के तर्ज पर पूजा पंडाल को अंतिम रूप देने में जुटे है।बना रहे हैं।छतौनी पूजा समिति के उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि विगत वर्ष 1989 से इस स्थल पर प्रतिवर्ष माता की पूजा का आयोजन किया जा रहा है।

इस स्थल पर पहले-पहल पूजा की शुरुआत स्व. लक्ष्मण प्रसाद व स्व.महेश प्रसाद आदि ने मिलकर की थी। स्थानीय श्रद्धालुओं के सहयोग से भी इस साल पूजा का आयोजन किया जा रहा है,जहां मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओ के लिए विशेष मेला आदि की व्यवस्था की गयी है।पंडाल तैयार हुआ।वही जिले प्रमुख सीमाई शहर रक्सौल के नागा रोड दुर्गा पूजा पंडाल को दिल्ली के लक्ष्मी-नारायण मंदिर का स्वरूप दिया गया है।जिसे कारीगर अंतिम स्वरूप प्रदान करने में जुटे है।यह पंडाल बरबस लोगो को आकर्षित कर रहा है।

पूजा समिति के अध्यक्ष प्रभु यादव, सचिव संतोष कुमार रौनियर, कोषाध्यक्ष संदीप कुमार एवं राकेश रंजन वर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि इस साल दिल्ली के प्रसिद्ध लक्ष्मी-नारायण मंदिर के तर्ज पर पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ आधे दर्जन देवताओं एवं राक्षसों की प्रतिमाएं बनाई गई है।इसके साथ ही माता के दर्शन को पहुंचने वाले श्रद्धालुओ के लिए झूला एवं झरना आदि की व्यवस्था की गई है।हर साल की भांति इस साल यहां की पूजा आकर्षक का केंद्र रहने वाली है।

आदिशक्ति मां दुर्गा को आमंत्रण देने बेल पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालु

मोतिहारी। शारदीय नवरात्रि के छठे दिन माता को आमंत्रण देने को लेकर श्रद्धालु गाजे बाजे के साथ बेल पूजन करने पहुंचे।जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच माँ भगवती को निमंत्रण स्वीकार करने की अर्जी श्रद्धालुओ ने लगायी।जाहिर है शनिवार को सप्तमी तिथि के पश्चात मां का दर्शन के लिए पट खुल जाएगा। इसके लिए पुनः श्रद्धालु गाजे बाजे के साथ माता के बुलावे के लिए जाएंगे और मंत्रोच्चारण के बीच लाल वस्त्र से बंधे गया बेल को लेकर अलौकिक माता के मूर्ति के पास रखकर वैदिक मंत्र उच्चारण के पश्चात मां का पट खोल दिया जाएगा। शारदीय नवरात्र की धूम सर्वत्र है,जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण इलाके तक बड़े-बड़े भव्य पंडाल में कलश स्थापना और मां की अलौकिक मूर्ति के साथ ही गणेश कार्तिक लक्ष्मी सरस्वती माता की मूर्ति स्थापित की गई है।

विलुप्त के कगार पर है लोक संस्कृति कला झिझिया

आधुनिकता की दौर में युवा पीढ़ी इस विद्या से हो रहे दूर

झिझिया लोककला को जीवंत रखने को लेकर होनी चाहिए पहल

अमृतेश कुमार ठाकुर

बीएनएम@केसरिया। 'तोहरे भरोसे ब्रह्म बाबा झिझरी बनैलिये हो' सहित अन्य झिझिया गीत अब कम जगहों पर सुनने को मिल रही है। लोक संस्कृति की यह कला अब विलुप्त के कगार पर है। पहले दशहरा पर्व में झिझिया गीत चहुँओर सुनाई पड़ती थी।

खासकर ग्रामीण इलाकों की छोटी-छोटी बच्चियाँ अपनी टोली के साथ झिझिया के पारंपरिक गीत गाती थी। साथ हीं इस गीत पर लोकनृत्य भी होती थी। बच्चियाँ इस गीत व नृत्य के माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों व कुव्यवस्थाओं को समाप्त करने की प्रार्थना करती देखी जाती थी।

लेकिन आधुनिकता की दौर में युवा पीढ़ी की बच्चियों ने इस कला से अपने को दरकिनार कर लिया है। जिससे अब दशहरा पर्व के अवसर पर बहुत कम जगहों पर हीं झिझिया गीत सुनने को मिलता है। कई ऐसे अवसर आते थे जहाँ इस विद्या के कलाकारों को विभिन्न आयोजनों के मंच पर अपनी प्रस्तुति देने का मौका भी मिलता था।

जिसके माध्यम से इससे जुड़े कलाकार अपने राज्य की लोक कलाओं की प्रस्तुति करते थे। लेकिन वर्तमान दौर में ऐसे कलाकारों की भी कमी हो जाने के कारण मंच से ऐसी प्रस्तुति देखने को नहीं मिलता। भोजपुरी विकास मंच के अध्यक्ष रामकुमार गिरी कहते हैं कि यह लोक संस्कृति की कला अपने अंतिम दौर में है। इसे जीवित रखने को लेकर लोक कला से जुड़े लोगों को आगे आना होगा। वहीं विविध कला विकास समिति के अध्यक्ष आलम महम्मद ने कहा कि लोक कला राज्य की पहचान होती है। झिझिया भी बिहार की लोककला का एक प्रमुख हिस्सा है। इसे जीवंत रखने के लिए प्रयास होना चाहिए। मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र में नई पीढ़ी को इस कला के बारे में जानकारी देनी होगी।

ताकि हमारे समाज की नई पीढ़ी अपनी लोक कला व संस्कृति को जान सके। महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के सचिव राकेश कुमार रत्न की मानें तो सामाजिक तौर पर इससे जुड़े कलाकारों को प्रोत्साहित व जागरूक करना होगा। तब इस विद्या को जीवंत रखा जा सकता है।

ईकिसान भवन में रबी महाअभियान सह प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

बीएनएम@रामगढ़वा

ई-किसान भवन में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय रबी महाअभियान सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड उप प्रमुख अरविंद पांडेय ने की।कार्यक्रम शुरुआत उप प्रमुख , बीडीओ और कृषि पधाधिकारी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। इस अवसर पर बीडीओ मोहम्मद सज्जाद ने किसानों को बताया कि सरकार के द्वारा अनुदानित दर पर बीज और कृषि यंत्र दिया जा रहा है।जिसको किसानों के द्वारा इसका लाभ लेना चाहिए। वहीं कृषि पदाधिकारी रंजन कुमार के द्वारा सरकार के द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। वर्षा कम होने की स्थिति में आधुनिक तरीके से खेती करने व नए किस्म के बीज का उपयोग कर फसल ज्यादा उगाया जा सकता है , बताया गया। मौके पर कृषि समन्वयक धर्मेंद्र कुमार , विनेश कुमार , अमरेश सिंह , मनीषा कुमारी, रामजन्म राउत, महेश कुमार, मोहन सिंह, प्रेम पासवान, रामायण महतो,उप प्रमुख अरविन्द पाण्डेय सहित सैंकड़ों किसान मौजूद थे।

युवक की पीट-पीटकर हत्या

बगहा। बगहा के नारायणापुर में एक युवक की पीट-पीट कर हत्याकर दी की गई है।

मृत युवक की पहचान साधु बिन के 25 वर्षीय पुत्र बिनोद बिन के रुप में की गई है।इस हत्या का कारण मामूली धक्का लगना बताया जा रहा है । पटखौली थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा गया है।दरअसल, हत्या का कारण मामूली विवाद बताया जा रहा है। मृत व्यक्ति विनोद बिन अपने घर में वायरिंग करने के लिए बिजली मिस्त्री को बुलाने गया था। बिजली मिस्त्री बुधई बिन और मृत व्यक्ति पैदल आ रहे थे। आने के क्रम में नगर के वार्ड नंबर 7 निवासी मन्नू साह के बाइक से बिजली मिस्त्री को धक्का लगा, इसके बाद तू-तू-मैं-मैं शुरू हो गया।

बिजली मिस्त्री बुधई बिन ने बताया कि बाइक पर कपड़ा लदा हुआ था। जिसके बाद बाइक सवार उतरकर मारपीट करना शुरू कर

दिया। इसके बाद कुछ लोगों के सहयोग और बिनोद बिन के सहयोग से मामला को रफा दफा कर दिया गया। दोनों जैसे ही आगे बढ़े फिर गोलंम्बर के पास फिर से कपड़ा व्यवसाई नगर के वार्ड 8 निवासी मन्नू साह दोनों के ऊपर हमला बोल दिया। बचाव में बिजली मिस्त्री और मृत व्यक्ति भी उलझ गए, इसी दरम्यान झगड़ा सुलझाने आए एक व्यक्ति ने डंडे से दोनों व्यक्ति को मारने लगा। जिसमें मृत व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

BORDER NEWSMIRROR

Editorial

Saturday 21 October 2023

मोदीवाद की धुरी में विकासवाद

साल 2014 में नरेन्द्र मोदी के भारत के प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के साथ राष्ट्र में परिवर्तनकारी विकास का हुआ है। मोदीवाद ने इतने विशाल स्तर पर विकास की संकल्पना को साकार किया, जिसके बारे में भारत ने कभी कल्पना नहीं की थी। उनका नेतृत्व अपने साथ इतने बड़े पैमाने पर विकास का वादा लेकर आया जो भारत ने पहले कभी नहीं देखा था। बुनियादी ढांचे का विकासः मोदी युग का सबसे उल्लेखनीय और पहला पहलू है, बुनियादी ढांचे का विकास। मोदीवाद में स्पष्ट था कि जब तक बुनियादी ढांचे का विकास नहीं किया जाता है, तब तक समेकित विकास की कल्पना करना मुश्किल है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने राजमार्गों, रेलवे, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के विकास व निर्माण में भारी वृद्धि देखी। उदाहरण के लिए, 'भारतमाला' परियोजना का लक्ष्य 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक के नियोजित निवेश के साथ देश में सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करना था। आज की तारीख में इस पहल से परिवहन की दक्षता में हुआ उल्लेखनीय सुधार देश का हर नागरिक महसूस कर रहा है। इससे लॉजिस्टिक लागत में भी भारी कमी आई है और अर्थव्यवस्था को बल मिला है। महत्वाकांक्षी 'सागरमाला' परियोजना का उद्देश्य बंदरगाहों की कार्यशैली में आमूल-चूल बदलाव करना था। परियोजना के तहत वर्तमान बंदरगाहों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरुप विकसित किया गया व रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यधुनिक और नए बंदरगाहों का निर्माण किया गया। केरल का विझिंजम बंदरगाह इसका साक्षात उदाहरण है। सागरमाला परियोजना का उद्देश्य समुद्री व्यापार को प्रोत्साहन देने के साथ बंदरगाहों और भीतरी इलाकों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार लाना है, जो समग्र विकास के लिए मोदी के दृष्टिकोण का प्रमाण है। डिजिटल इंडियाः 2015 में शुरु किया गया डिजिटल इंडिया अभियान गेम-चेंजर रहा है। इसका उद्देश्य नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से सरकारी सेवाएं और जानकारियां प्रदान करना है और दक्षता तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ भ्रष्टाचार पर लगाम कसना है।

केन्द्रीय सशस्त्र बलों में बढ़ता मानसिक तनाव

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश की आंतरिक सुरक्षा कायम रखने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले देश के अर्द्धसैनिक बल के सैनिकों में बढ़ता मानसिक तनाव बेहद चिंतनीय है। पिछले एक दशक में इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसा नहीं है कि सरकार या यों कहें कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय समस्या की गंभीरता से नावाकिफ है अपितु सभी स्तर पर चिंतन मनन के बाद भी कोई ठोस परिणाम नहीं निकल पाया है। समस्या की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि केन्द्रीय सशस्त्र बलों में आत्महत्या के मामले तो बढ़े ही हैं साथ ही आपसी गोलीबारी के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। हमें सैनिक बलों और अर्द्धसैनिक बलों की कार्यप्रणाली को भी समझना होगा तो देय सुविधाओं को भी ध्यान में रखना होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि सैनिक बल जहां बार्डर पर कठिनतर परिस्थितियों में तैनात रहते हैं पर जब वहां उनका टेन्योर पूरा हो जाता है तो उसके बाद उनकी तैनाती शांत व कम जोखिम वाले स्थानों पर होती है। सैनिकों के लिए सैनिक अस्पताल भी बेहतरीन सुविधा व विशेषज्ञयुक्त होने के साथ सैनिकों के परिजनों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो जाती है। दूसरी और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती पूरी तरह से देखा जाए तो कठिन परिस्थितियों से भरी होती है। चाहे वह नक्सल प्रभावित क्षेत्र की हो या फिर जम्मू-कश्मीर में शांति व्यवस्था की हो या नार्थ ईस्ट में शांति व्यवस्था बनाए रखने की हो। इसके अलावा देश के किसी भी कोने में किसी कारण से अशांति के हालात होते हैं या फिर आपदा के हालात होते हैं तो व्यवस्था के नाम पर अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती आम बात है। ऐसे में काम की अधिकता, सेवा परिस्थितियां और फिर व्यक्तिगत कारण संवेदनशील व्यक्ति को बहुत जल्द अवसाद में ला देते हैं। अर्द्ध सैनिक बलों में मुख्यतः सीआरपीएफ, बार्डर सिक्योरिटी फोर्स, असम राइफल्स, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी आदि आते हैं। पिछले दिनों गृह मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2020 में 4940 मानसिक रोगी चिन्हित किए गए इनमें से सर्वाधिक 1882 सीआरएफ, 1327 बीएसएफ, 530 असम राइफल्स, 472 सीआईएसएफ, 417 आईटीबीपी और 312 एसएसबी के हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार ही 2017 से 2022 के बीच अर्द्ध सैनिक बलों के सैनिकों के बीच आपसी गोलीबारी में 57 कर्मियों की जान गई है तो 2018 से 2022 क बीच 658 कर्मियों के आत्महत्या की है। कमोबेश यह स्थिति आज भी है। इससे यह साफ हो जाता है कि मानसिक तनाव बड़ी समस्या है और इसे दूर करने के लिए ठोस उपाय किए जाने की अतिआवश्यकता है। हांलाकि इस समस्या का हल खोजने के लिए टास्क फोर्स के गठन से लेकर कई समितियां बनाई गई है पर हालात में अभी तक जिस तरह के बदलाव आने चाहिए थे वे नहीं आ पाये हैं। दरअसल आधुनिक जीवन पद्धति और भागमभाग की जिंदगी में मानसिक तनाव इस तरह हाबी रहता हे कि लाख प्रयासों के बाद भी व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार हो जाता है। एक और कार्य स्थल की परिस्थितियां, दूसरी और पारिवारिक जिम्मेदारियां, तीसरी और पारिवारिक तात्कालिक व दीर्घकालिक समस्या, चौथा कार्य स्थल पर रेस्ट करने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाना, पांचवां आवश्यकता पर या चाहने पर छुट्टियां नहीं मिलने के साथ ही अन्य कई छोटे मोटे कारण हो जाते हैं जिससे व्यक्ति तनाव में चला जाता है। आर्थिक समस्या प्रमुख कारण है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's **Opinion**

हमास के खिलाफ है भारत, फिलिस्तीन के नहीं

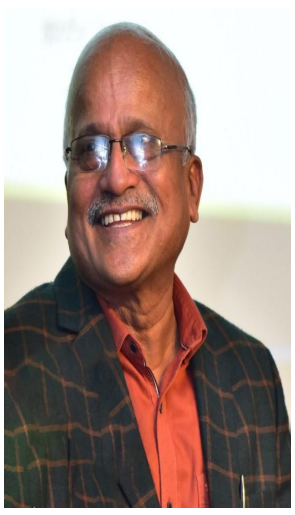

डॉ. प्रभात ओझा

इजराइल पर हमास के हमले और फिर इजराइल की जवाबी कार्रवाई में एक पक्ष कमजोर पड़ गया है। वह पक्ष है फिलिस्तीन राष्ट्र का। निश्चित ही इस पक्ष को फिलिस्तीन आधारित हमास जैसे आतंकवादी संगठन ने कमजोर किया है। विडंबना यह है कि हमास अपने को फिलिस्तीन का उद्धारक मानता है और गाजा पट्टी के एक हिस्से पर उसका अधिकार भी है। ताजा घटनाक्रम में इजराइली सेनाओं ने गाजा को घेर रखा है। वहां रसद जैसी जरूरी आपूर्ति के साथ पानी तक की समस्या खड़ी हो गई है। अमानवीय हालात तो यह है कि केंद्रीय गाजा के अल अहली अस्पताल में रॉकेट अटैक में 500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मरीजों के साथ यहां अन्य लोगों ने भी शरण ली थी। दिल हिला देने वाले इस हमले के बाद युद्ध का परिदृश्य बदल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति इजराइल यात्रा पर पहुंचे। जहां से वे जार्डन जाने वाले थे। वहां उनकी किंग अब्दुल्ला द्वितीय, मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल सीसी के साथ बातचीत होने वाली थी। गाजा के अस्पताल में हमले के बाद इन देशों ने बातचीत रद्द कर दी। हालांकि बाद में बाइडेन ने मिस्र के राष्ट्रपति फतह अल सीसी से बातचीत की और गाजा में मानवीय सहायता भेजे जाने के लिए मिस्र ने राफा बॉर्डर खोलने की सहमति दी। जो भी हो, दो दिन पहले के अपने इंटरव्यू में बाइडन ने फिलिस्तीन का भी नाम लिया था। हमास और इजराइल संघर्ष में अमेरिका पूरी क्षमता के साथ इजराइल के साथ है। हमास जैसे आतंकी संगठन के बर्बर हमले के कारण दुनिया के कई देश इजराइली जनता के पक्ष में खड़े हैं। इनमें भारत भी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमास के हमलों की कटु निंदा की है। उन्होंने किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई को दुनिया की प्रगति में बाधक बताया है। प्रधानमंत्री के बयान के दो दिन बाद ही विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने फिलिस्तीन का समर्थन करते हुए द्विराष्ट्र के सिद्धांत की वकालत की। यहां समझना होगा कि कथित रुप से फिलिस्तीन के लिए लड़ने वाले हमास और स्वयं फिलिस्तीन राष्ट्र में फर्क है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने अपने बयान में इस मुद्दे पर भारत की नीति को दीर्घकालिक और सुसंगत बताया। उनके मुताबिक, भारत ने इजरायल के साथ सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर सदैव एक संप्रभु, स्वतंत्र फिलिस्तीन की स्थापना की वकालत की है। भारत का मानना है कि यह सीधी वार्ता की बहाली और इसके साथ ही इजराइल के साथ शांतिपूर्ण संबंधों से सम्भव होगा। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री ने सिर्फ आतंकवाद पर इजराइल के साथ खड़े होने की दृढ़ता दोहराई है। इस पूरे मसले को इजरायल, फिलिस्तीन और हमास के नजरिए से देखना होगा। फिलिस्तीन की बात भारत 1974 के पहले से ही करता आ रहा है। फिलिस्तीन नेशनल अथॉरिटी यानी पीएनए ही स्टेट ऑफ फिलिस्तीन है। फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन अर्थात पीएलए के प्रमुख फतह पार्टी के अध्यक्ष महमूद अब्बास मई 2005 से इसके राष्ट्रपति भी हैं। उसके पहले करीब 15 साल तक यासिर अराफात इस जगह पर थे। यासिर अराफात के समय भारत के साथ फिलिस्तीन के सम्बंधों में अधिक मजबूती दिखी थी। गैर अरब देशों में भारत फिलिस्तीन नेशनल अथॉरिटी को मान्यता देने वाला पहला देश है। हम फिलिस्तीन स्टेट को भी मान्यता देने वाले देशों में शामिल हैं। वर्ष 1996 में गाजा में भारत ने अपना प्रतिनिधि कार्यालय खोला। वर्ष 2003 में उसे रामल्ला में स्थानांतरित कर दिया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 53 वें सत्र के दौरान (1998-99) भारत 'आत्मनिर्णय के लिए फिलिस्तीनियों के अधिकार' सम्बंधी मसौदा प्रस्ताव का सह-प्रायोजक था। वर्ष 2003 में इजरायल द्वारा दीवार बनाने के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के पक्ष में भी भारत मतदान करने वालों में शामिल था। यूएनए के 2012 के संकल्प के पक्ष में भी भारत ने मतदान किया था। यह प्रस्ताव फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र में 'गैर-सदस्य पर्यवेक्षक राज्य' बनाने का था। इस प्रस्ताव के साथ दुनिया के 138 देश थे। ताजा मामला नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के ठीक बाद का है, जब सितंबर 2015 में संयुक्त राष्ट्र परिसर में फिलिस्तीनी ध्वज की स्थापना का भारत ने समर्थन किया था।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796, प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 फूड्स

आजकल हर उम्र के लोगों में आंखों की समस्या हो रही है। ज्यादा समय टीवी, मोबाइल, लैपटॉप स्क्रीन पर बिताते हैं, जिससे आंखें बुरी तरह प्रभावित होती हैं। इससे आंखों से संबंधित कई समस्याएं होती हैं, जैसें- आंखों में जलन, आंखों से पानी आना आदि। अगर आप लगातार 8-10 घंटे स्क्रीन पर काम करते हैं, तो आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है, लेकिन खानपान में आप कुछ चीजों को शामिल कर आंखों की रोशनी को बरकरार रख सकते हैं। आइए जानते हैं, आंखों की रोशनी के लिए डाइट में आप किन चीजों को शामिल कर सकते हैं।

1.आंवला है काफी फायदेमंद

आंखों के लिए आंवला वरदाना माना जाता है। इसमें विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो आंखों को स्वस्थ रखने में मददगार होते हैं। आप आंखों की सेहत के लिए डाइट में आंवला शामिल कर सकते हैं। चाहें तो आप आंवले का जूस पी सकते हैं या इसका मुरब्बा भी खा सकते हैं।

2.बादाम खाएं

बादाम में विटामिन-ई और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए आप भीगे हुए बादाम का सेवन कर सकते हैं। रात में बादाम को भिगो दें, सुबह इसे छील कर खा सकते हैं।

3.गाजर खाएं

गाजर आंखों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है।

4.मछली खाएं

मछली का सेवन आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आंखों के लिए काफी फायदेमंद होता है। आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए आप सालमन फिश खा सकते हैं। यह ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होता है। एक्सपर्ट के अनुसार, आपको हफ्ते में दो बार मछली का सेवन करना चाहिए।

5.हरी सब्जियों का सेवन करें

आंखों की रोशनी बरकरार रखना चाहते हैं, तो डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल कर सकते हैं। ये आयरन और पोषक तत्वों से

भरपूर होती हैं, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी हैं।

चेहरे को ग्लोइंग बनाने के लिए लगाएं नारियल के दूध के 3 फेस पैक

नारियल पानी के फायदे के बारे में, तो आपने कई बार सुना होगा लेकिन क्या आप जानते हैं कि नारियल का दूध भी स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता हैं। नारियल का दूध नैचुरल होने के साथ चेहरे की कई कई परेशानियों को आसानी से दूर करता हैं।

कई लोग स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कई बार ये चीजें स्किन को सूट नहीं करती। वहीं नारियल के दूध नैचुरल होने के कारण हर किसी स्किन टाइप पर सूट हो जाता हैं। नारियल के दूध के फेस पैक स्किन को ग्लोइंग बनाने के साथ चेहरे की रंगत को भी निखारता है। ये फेस पैक घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं।

1. नारियल का दूध और टमाटर का फेस पैक

सामग्रीः- 1 टमाटर रस, 2 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

नारियल का दूध और टमाटर का फेस पैक बनाने के लिए टमाटर को मिक्सी में पीस लें। अब इसमें नारियल का दूध मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को फेस पर 15 से 20 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये पैक स्किन की रंगत को निखारने के साथ टैनिंग को हटाने में भी मदद करता है।

2.बादाम और नारियल का दूध फेस पैक

सामग्रीः- 5 बादाम, 1 चम्मच शहद
2 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

बादाम और नारियल का दूध फेस पैक बनाने के लिए बादाम को रातभर के लिए भिगो दें और इनका पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट में शहद और नारियल दूध को मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर

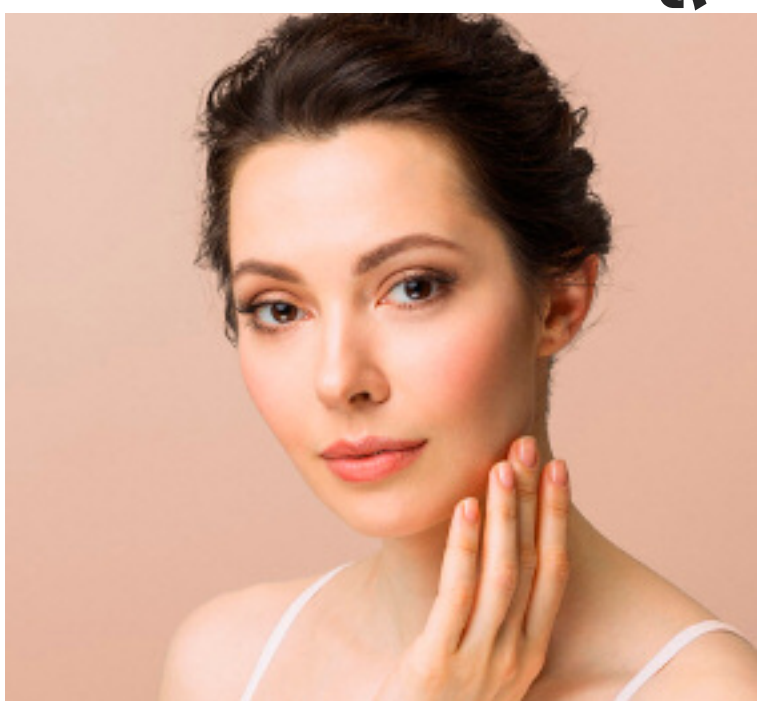

10 से 15 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को वॉश करें। ये फेस पैक चेहरे को ग्लोइंग बनाने के साथ दाग-धब्बों को भी कम करने में मदद करता हैं।

3. ओट्स और नारियल के दूध का फेस पैक

सामग्रीः- 1 चम्मच ओट्स, 2 से 3 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

ओट्स और नारियल के दूध का फेस पैक बनाने के लिए ओट्स का पाउडर बना लें। अब इस पाउडर में नारियल का दूध मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें।

अब इस मिश्रण को चेहरे पर 5 से 10 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये पैक स्किन की अंदरूनी सफाई करके स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करेगा।

ये सभी पैक स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। लेकिन ध्यान रखें इनको लगाने से पहले पैच टेस्ट अवश्य करें। अगर स्किन पर कोई ट्रीटमेंट कराया हैं, तो अपने ब्यूटी एक्सपर्ट से सलाह करने के बाद ही इस पैक का इस्तेमाल करें।

पेट दर्द से लेकर माइग्रेन के दर्द तक, ये हैं हींग के कमाल

भारतीय खानों में हींग का उपयोग खूब किया जाता है। इसका स्वाद ज़रा तेज़ ज़रूर होता है, लेकिन इसके फायदे अनगिनत हैं। खाने में इसे मिलाने से पाचन आसान होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हींग पाचन दुरुस्त करने के अलावा भी कई काम करता है। यह पेट में गैस से लेकर गंभीर माइग्रेन और यहां तक कि कीड़े के काटने का भी इलाज कर देता है।

बच्चों में गैस की समस्या का समाधान करता है

शिशुओं में गैस की समस्या को कम करने के लिए इससे अच्छा उपाय और कोई नहीं है। इस जांचे और परखे उपाय को सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए एक से दो चम्मच गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग डालें और फिर बच्चे की नाभी के आसपास उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे छोटे बच्चों में गैस की समस्या तुरंत ठीक हो जाती है।

सांस से जुड़ी तकलीफों के इलाज के लिए

हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण होते हैं। इसलिए इसका उपयोग अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, सूखी खांसी और ज़ुकाम को ठीक करने के लिए किया जा सकता है। तुरंत आराम पाने के लिए आधा चमच हींग पाउडर और सोंठ में दो चम्मच शहद मिला लें। दो से तीन दिन तक इस मिक्सचर को खाएं, तो आपको सांस की तकलीफों से जल्द आराम मिल जाएगा।

दांत दर्द में तुरंत आराम

जिस दांत में दर्द है, वहां और आसपास के मसूड़ों पर चुटकी भर हींग लगा लें। दर्द में राहत पाने के लिए दिन में इस उपाय को 2 से 3 बार करें।

कान दर्द में फायदेमंद

सर्दी के मौसम में ठंड लग जाने से कान में दर्द कई बार हो जाता है। ऐसे में इयर ड्रोप्स के अलावा आप घरेलू उपचार पर कर सकते हैं। हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण पाए जाते हैं, जो कान के दर्द में आराम देने का काम करते हैं। इसके लिए एक बर्तन में दो चम्मच नारियल के तेल में चुटकी भर हींग डालकर हल्की आंच पर गर्म कर लें। जब ये गुनगना हो तब इसकी कुछ बूंदें अपने कान में डालें। इससे आपको तुरंत राहत मिल सकती है।

सिर दर्द में आराम

सिर दर्द जब परेशान कर रहा हो, तो आप हींग आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए

हल्की आंच पर पैन रखें और उसमें एक से दो कप पानी गर्म कर लें। अब इसमें चुटकी भर हींग डालें और 10-15 मिनट के लिए गर्म होने दें। जब पानी की मात्रा थोड़ी कम हो जाए, तो गैस को बंद कर दें।

तेज़ सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दिनभर इस पानी को पिएं। इसके अलावा आप हींग में गुलाब जल मिलाकर इसका पेस्ट भी तैयार कर सकते हैं और फिर इसे माथे पर लगा सकते हैं। इससे भी आराम मिलता है।

कीड़े या सांप के काटने पर

हींग सिर्फ खाने में ही हेल्दी नहीं होती, बल्कि कीड़ों या फिर सांप के काटने का भी इलाज कर सकती है। दादी मां के निस्खों के अनुसार, हींग के पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ज़खम पर लगा लें और सूखने दें। जब सूख जाए, तो निकाल दें।

प्लास्टिक के विरोध में कपड़ों की लाखों थैली बांटने वाली अनुभा पुंढीर को मिलेगा विष्णु प्रभाकर स्मृति राष्ट्रीय सम्मान

कमलेश- साहित्य, जनक दबे- पत्रकारिता, सीताराम - शिक्षा और अर्पणा - कला के लिए होंगें सम्मानित

हेमलता म्हस्के

नई दिल्ली। प्लास्टिक के विरोध में गांव -गांव और शहर -शहर में सघन अभियान चलाने वाली डॉ अनुभा पुंढीर को समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए विष्णु प्रभाकर स्मृति सम्मान देने की घोषणा की गई है।

अनुभा जानी मानी नृत्यांगना भी हैं लेकिन अपने गृह राज्य उत्तराखंड में प्लास्टिक के इस्तेमाल के विरोध में उन्होंने लाखों लोगों को अपनी संस्था की ओर से कपड़े के थैले मुहैया कराए। उनके प्रयास से असंख्य लोगों ने खुद को सदा के किए प्लास्टिक से अलग थलग कर लिया।

इनके अलावा दिल्ली के कमलेश कमल को साहित्य के लिए, अहमदाबाद गुजरात के- जनक दवे को पत्रकारिता के लिए गांधीनगर के सीताराम बरोट 'सत्यम' को शिक्षा के लिएऔर दिल्ली की- अर्पणा सारथे को कला के लिए विष्णु प्रभाकर स्मृति सम्मान दिए जायेंगे।

राष्ट्रीय स्तर का यह सम्मान गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, नई दिल्ली और विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान, नोएडा द्वारा संचालित सन्निधि संगोष्ठी की ओर से दिया जाएगा। पिछले दस सालों से सन्निधि संगोष्ठी द्वारा हरेक साल में दिसंबर में काका साहब कालेलकर और जून में विष्णु प्रभाकर की याद में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली पांच- पांच युवा हस्तियों को काका साहब कालेलकर सम्मान और विष्णु प्रभाकर सम्मान से सम्मानित किया जाता है। ये सम्मान युवा हस्तियों में नैतिक ऊर्जा भरते हैं और युवाओं में उत्साह का संचार होता है। वे प्रोत्साहित होकर सृजन के नए आयाम रचते हैं।

विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान के मंत्री अतुल कुमार के मुताबिक ये सम्मान युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिए जाते हैं। इस साल विष्णु प्रभाकर सम्मान समारोह 17 जून को दिल्ली स्थित सन्निधि सभागार में आयोजित किया जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध राष्ट्रीय दैनिक जनसत्ता के संपादक और दर्जनों किताबों के लेखक मुकेश भारद्वाज सभी युवा हस्तियों को सम्मानित करेंगें।

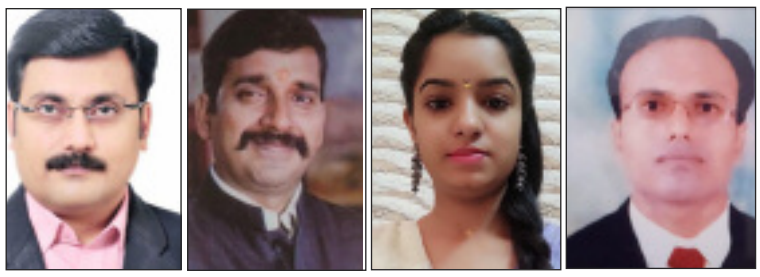

उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए देहरादून की डॉ अनुभा पुंढीर को सम्मानित किया जाएगा। एडिथ कैविन यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया से एम बी ए, पर्यावरण विज्ञान में स्नातक, एस एम यू बडोदरा से भारतीय नाट्यकला में स्नातक व आपदा प्रबंधन व योग तथा मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त तथा आई आई एम बंगलूर से जुड़ी प्रोफेसर डा०अनुभा पुंढीर वैसे तो जानी मानी नृत्यांगना हैं लेकिन उनकी उत्तराखंड राज्य में प्लास्टिक विरोधी अभियान की प्रमुख और देश में पर्यावरण रक्षा हेतु समर्पित कार्यकर्ता के रूप में सर्वत्र ख्याति है।

वे आज भी इस अभियान में जोर-शोर से लगी हैं तथा जनजागरण के द्वारा प्लास्टिक विरोध की आवाज बुलंद कर रही हैं। वे कई पुरस्कारों से सम्मानित की जा चुकी हैं। साहित्य के लिए कमलेश कमल को विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

कमलेश कमल पिछले 15 सालों से साहित्य लेखन के क्षेत्र में सक्रिय हैं,आई टी बी पी के डिप्टी कमांडेंट कमलेश कमल ने हिंदी के विकास के लिए अनेक विश्वविद्यालयों में विमर्श का आयोजन किया।

कमल पूरी तरह से हिंदी साहित्य के विकास के लिए समर्पित हैं और अनेक संस्थाओं के जरिए हिंदी के विकास के लिए निरंतर कार्यरत हैं इनको कई सम्मानो से भी नवाजा गया है। कई किताबें भी प्रकाशित हुई हैं। दो हजार से अधिक रचनाओं का सृजन भी किया है।

इसी तरह सीताराम बरोट सत्यम को शिक्षा के लिए सम्मानित किए जायेंगे। लेखन और अन्य प्रदर्शन कला के जरिए बच्चों को शिक्षित करने के क्षेत्र में सीताराम की भूमिका बहुत अहम है। अपर्णा सरथे को कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

अहमदाबाद गुजरात के जनक दबे को श्रेष्ठ पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया जाएगा। उन्होने युक्रेन के युद्धग्रस्त क्षेत्र की लाइव कवरेज की, इस क्षेत्र में कार्य का इन्होने विशेष प्रशिक्षण लिया है।

ज्योत्स्ना शर्मा प्रदीप (देहरादून)

चलो भरें हम भू के घाव

(जयकरी/चौपाई छन्द)

धरती जीवन का आधार।
धरती पर मानव - परिवार।।
जीव - जंतु की भू ही मात।
धर्म - कर्म कब देखे जात।।

झील, नदी, नग, उपवन, खेत।
हिमनद, मरुथल , सागर,रेत ।।
हिना रंग की मोहक भोर।।
खग का कलरव नदिया शोर।।

करे यहाँ खग हास-विलास ।
अलि, तितली की मधु की प्यास।।
सजा रहे रजनी के केश।।
तारों के दीपित हैं वेश।।

नभ में शशि -रवि के कंदील।
चमकाते धरती का शील।।
युग बदला मन बदले भाव।
मानव के अब बदले चाव।।

हरियाली के मिटे निशान।
वन, नग काटे बने मकान।।
मानव के मन का ये खोट।
मही -हृदय को देता चोट।।

मत भूलो हम भू - संतान।
करो सदा सब माँ का मान।।
हरियाली का कर फैलाव।
चलो भरें हम भू के घाव ।।

इंदिरा दाँगी

कहानी: रेलवे फाटक

> **बाबूजी कितने सच्चे यक़ीन से कहते थे, "न बेटा, गलत बात! किसी का कर्जा लेके मरेंगे तो अगले जन्म में बैल बनके चुकाना पड़ेगा!" बाबूजी अब दुनिया में भले न हों; लेकिन अपने दिए संस्कारों में शेष हैं। ...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते!**

...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते ! रेलवे क्रॉसिंग का फाटक बंद होते ही, फ़ोरलेन सड़क के दोतरफ़ा, दूर तक वाहनों की भीड़ लग गई।

नंदन ने स्कूटर की चाबी बंद-स्थिति की ओर घुमाई ...पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे हैं ! चिलकती धूप में दूर तक चौपहियों, दुपहियों के चिड़चिड़ाते-परेशान ड्रायवर हैं। नंदन ने सोचा, आधा मिनिट भर में ये जो अनगिनत गाड़ियाँ इधर-उधर आ रुकी हैं, इनकी क़ीमत करोड़ से तो ऊपर होगी ! ... आधा मिनिट भर में करोड़ ! और उसकी वेतन है आठ हज़ार रुपये महीना। बचत पाँच-सात सौ बमुश्किल ! उसका मन हँसता है; ईश्वर तेरी माया, कहीं धूपकहीं छाया !

...और ईश्वर से परम डरने वाले उसके निरीह बाबूजी संस्कारों की पाटी पर जिंदगी का चंदन घिसते-घिसते मर गये। बेमन से ही सही, वो भी घिस ही रहा है अपने आप को उसी पाटी पर ! लाख चाहे वो, कभी बन ही नहीं सकता, सोच भी नहीं सकता उन चार सौ बीसियों के बारे में जिनसे रातोंरात ऐसी एसयूवी-एमयूवी-सेडॉन गाड़ियाँ ख़रीदी जा सकें ! बाबूजी कितने सच्चे यक़ीन से कहते थे, "न बेटा, गलत बात ! किसी का कर्जा लेके मरेंगे तो अगले जन्म में बैल बनके चुकाना पड़ेगा !" बाबूजी अब दुनिया में भले न हों; लेकिन अपने दिए संस्कारों में शेष हैं। ...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते !

गाड़ियों की चिल्लपों, मौसम की उमस, उड़ती धूल और हर स्कूटर-कार की -और - और आगे, क्रासिंग लाइन के बिल्कुल पास जा पहुँचने की होड़-जल्दबाज़ी को नंदन देख रहा है। मोटरसाइकिल वाले एक परिवार के लोग -युवा दम्पति और उनकी दो नन्ही बेटियाँ -बंद क्रॉसिंगगेट के नीचे से निकलकर पटरियाँ पार कर रहे हैं। उधर, दूर दिशा से रेल अपने आने की व्हिसल 'कूँऊँऊँऊँऊँ, कूँऊँऊँऊँऊँ' की ध्वनि में जैसे किसी हत्यारिन की तरह अंतिम धमकियाँ देती है। दम्पति की पीछे रह गयीं बेटियाँ अपनी नन्ही-लिटपिटाई दौड़ में पटरियाँ पार कर रही हैं। ...हिन्दुस्तान में अधिकांश शिक्षित लोग वास्तव में अर्द्धशिक्षित हैं !

सब-की-सब, वे करोड़ों की गाड़ियाँ क्षणांश में आगे जाने को आतुर हो उठीं। बहुत उतावलेपन में कई बोनट-मडगार्ड अपने अगलों-पिछलों से छुल गये हैं; रेलवे फाटक नहीं खोला गया है।

शायद दूसरी रेल भी पास होगी। वाहन और वाहन वाले अपनी-अपनी जगह कसमसाकर रह गये हैं। अब पहले से कहीं अधिक दुपहिये-साइकिल सवार क्रॉसिंग गेट के नीचे से निकल-निकलकर बंद पटरियाँ पार करने लगे हैं।

लोगों में कुछ क्षणों का भी धैर्य चुक गया है जैसे। नंदन को कोई शायर याद आता है,

इस शहर में हर शख़्स परेशान-सा क्यूँ है ?

"होरा ले लोऽ ! बूँट ले लोऽ !''

होरहा बेचने वाले ठेले की तरफ़ उसका ध्यान गया। काबुली होरहों के ताज़े भुने ढेर से उठती ख़ुशबू यहाँ तक उड़ आई है। 'बच्चों के लिए लेता चलूँ' सोचकर नंदन ने गाड़ियों की भीड़ में से जैसे-तैसे निकालकर स्कूटर सड़क के किनारे ठेले के पास को कर लिया।

"होरहे कैसे दिये ?"

"अस्सी रुपये किलो।"

हैसियत-पार की चीज़ से तुरंत ध्यान हटाया नंदन ने।

"ये बिना भुने ?"

"ये साठ के किलो हैं।''

उसने दिल में कहा, "साली, हर चीज़ इतनी मँहगी है इस शहर में !'' और प्रत्यक्ष में ठेले के एक कोने पर रखे बूँटों की ओर इंगित किया,

"और बूँट क्या भाव लगाओगे ?"

"पच्चीस रुपये किलो।"

"बीस लगाओ।"

"कितने किलो लेंगे ?"

"आधा किलो।"

"ठीक है।"

ठेलेवाला बूँट तोल रहा है। नंदन होरहे का एक दाना उठाकर मुँह में डाल लेता है। हूँऊँऊँ, क्या बढिया स्वाद ! लगता है, नमक डालकर भूने हैं ! काश, ये ही ख़रीद पाता ! वो सोच रहा है।

तभी एक बूढ़ी लौहपीटनी वहाँ आ रुकी है। उसके सिर पर लोहे के वज़नदार बर्तनों की टोकरी है जिसे वो हर दिन घंटों उठाये रहने को विवश है -शायद उम्र भर से। उसने होरहों का भाव पूछा है; फिर चुपचाप आगे बढ़ गई है।

...सब स्वाद सबकी पहुँच में होते काश ! इधर दूसरी रेल भी गुज़र गई। फ़ाटक खुलने को है। दुपहिये, चौपहिये अपने चुके हुए धैर्य के साथ दौड़ लगा देने को हड़बड़ाये-बेचैन !

ठेलेवाले ने तोलकर बूँट उसे पकड़ा दिये।

"अरे, पन्नी में तो दो !"

"पन्नी नहीं है सा'ब। आजकल बड़ी कड़ाई होने लगी है पन्नी की मोटाई-पतलाईपे; सो हमने रखनी ही छोड़ दी।"

"अब मैं स्कूटर पर रखूँगा कहाँ ?" -झुंझलाये नंदन ने अगली ओपन डिग्गी में बूँट जबरन ठूँस दिये हैं जहाँ उसका खाने का ख़ाली डिब्बा, एक सुतली, एक टूटा इंडीकेटर और पानी से अधभरी पाँच सौ एमएल वाली सॉफ़्टड्रिंक मार्का बोतल रखी थी।

कुछ बूँटस्कूटर में पैर रखने वाली ख़ाली जगह के बीच आ गिरे। अब एहतियात से स्कूटर चलाकर ले जाना पड़ेगा; रफ़्तार से कहीं राह में न गिर जायें !

स्कूटर पर खड़े-खड़े इधर नंदन ने पैंट की पिछली ज़ेब में पर्स निकालने के लिए हाथ डाला। उधर रेलवे फ़ाटक खुल गया है और भीड़मभीड़ मचाते दुपहिये-चौपहिये दौड़ने को तैयार हो रहे हैं ...यहाँ जीवन एक अनंत दौड़ है जैसे ! क्या वाकई अनंत ? नंदन की ज़ेब से पर्स नदारत है। ...इस ज़ेब ...उस जेब़ -कहीं भी नहीं !

ओह ! घर पर ही भूल आया आज ! और दिन भर कार्यालय में उसे ये बात पता भी नहीं चली ?...शहर की रफ़्तार सबसे पहले दिमाग़ को बदहवास करती है !

चेहरे पर सच्चे अफ़सोस के साथ, नंदन ने सब बूँट समेटकर ठेलेवाले की ओर बढ़ाये,

"सॉरी यार, मैं पर्स घर पर ही भूल आया !''

" पर्स भूल आये ? ...''

"लो वापिस ले लो अपने बूँट।''

पर नंदन के आगे बढ़े हाथ से अब तक ठेलेवाले ने बूँट वापिस नहीं लिए थे।

"...तो कोई बात नहीं ! उधार ले जाइये। आपने जरूर अपने बच्चों के लिए लिये हैं !''

...आम आदमी की तजुर्बेकार नज़र !

"पर मैं तुम्हारे पैसे चुकाऊँगा कैसे ? कल तुम यहीं मिलोगे ?''

-नंदन ने बूँट वापिस स्कूटर की ओपन डिग्गी में समेट लिये।

"अगर मिल गया तो दे देना।'' मस्त कलंदर वाली आवाज़ में ठेलेवाले ने कहा।

अब, दरअसल पहली बार, नंदन ने ठेले की बिकाऊ चीज़ों से नज़र ऊपर उठाते हुए ठेलेवाले के चेहरे को देखा। ...इतना संतोष कैसे ?

पीछे से बहुत हार्न बजने लगे। हड़बड़ी में नंदन ने स्कूटर को रफ़्तार दे दी; ठेलेवाले को धन्यवाद कह पाने का भी समय न मिल सका।

dangiindira4@gmail.com

BNM Fantasy
Saturday
21 October 2023

राजऔर शिल्पा के रिश्ते में आई दरार

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले राज ने अपनी बायोपिक की घोषणा की थी। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था। इस समारोह में राज ने चेहरे से मास्क हटा कर पहली बार मीडिया से बातचीत की। इस बीच ऐसी अफवाह है कि राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी अलग होने वाले हैं। राज कुंद्रा ने अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया है। राज के ट्वीट को लेकर कई तरह के तर्क दिए जा रहे हैं। राज ने ट्वीट किया, "हम अलग हो गए हैं और आप सभी से अनुरोध है कि इस कठिन परिस्थिति में हमें समय दें।" कई लोगों ने राज के इस ट्वीट को शिल्पा शेट्टी से जोड़ दिया है।

अ

मीषा पटेल का दावा- 'कहो ना प्यार है' से करीना कपूर खान को निकालकर मुझे दिया गया था मौका

फिल्म 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस अमीषा पटेल इन दिनों फिल्म 'गदर-2' की सक्सेस को एन्जॉय कर रही हैं। अमीषा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस करीना कपूर खान को लेकर बयान दिया। अमीषा ने दावा किया है कि शुरुआत में 'कहो ना प्यार है' फिल्म में करीना कपूर थीं, लेकिन बाद में करीना को फिल्म से निकाल दिया गया था। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर ऋतिक रोशन अहम भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन राकेश रोशन ने किया है। अब अमीषा ने एक इंटरव्यू में कहा कि, "दरअसल करीना ने यह फिल्म छोड़ी नहीं थी, बल्कि राकेशजी ने करीना को फिल्म छोड़ने के लिए कहा था, क्योंकि उनके बीच मतभेद थे। ऋतिक की मां पिंकी भी हैरान थीं, क्योंकि सेट तैयार था और हमें तीन दिन में सोनिया के किरदार के लिए एक्ट्रेस ढूंढनी थी।" उन्होंने आगे कहा, "यह रितिक की डेब्यू फिल्म थी और हर कोई टेंशन में था। पिंकी आंटी ने मुझे आगे बताया कि राकेशजी ने मुझे एक शादी में देखा था और उन्हें पूरी रात नींद नहीं आई। अमीषा का कहना है, "2020 में राकेश रोशन ने बताया था कि करीना को क्यों रिप्लेस किया गया। उन्होंने कहा था कि करीना की मां बाबाती हर चीज में बहुत ज्यादा दिलचस्पी रखती थीं। इसलिए उन्होंने ये फिल्म छोड़ दी।"

...जब 50 लोगों के सामने बेइज्जत हुई थीं कृति सेनन

अब बताई सच्चाई

कृति सेनन ने बहुत ही कम समय में खुद को बॉलीवुड की टॉप हीरोइनों में स्थापित कर लिया है। कृति ने अपने 9 साल के करियर में एक राष्ट्रीय पुरस्कार और दो फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं। इसके अलावा वह फोर्ब्स की 100 सेलिब्रिटीज की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले कृति सेनन एक मॉडल थीं। उस दौरान उनके साथ कुछ ऐसी घटनाएं घटीं, जिनकी यादें आज भी उनके जेहन में ताजा हैं। कृति सेनन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में अपने पहले फैशन शो की कहानी शेयर की है। उन्होंने कहा कि कोरियोग्राफरों में से एक ने उन्हें 50 अन्य मॉडलों के सामने अपमानित किया और उन्हें रोने पर मजबूर कर दिया। कृति एक बैकअप प्लान के साथ फिल्म इंडस्ट्री में आईं, ताकि उनके माता-पिता को उनके भविष्य को लेकर ज्यादा चिंता न हो। कृति ने कहा, "यह मेरा पहला रैंप शो था और मैंने उस कोरियोग्राफर के साथ कभी काम नहीं किया था। वह मेरे प्रति बहुत रूखी थी, क्योंकि मैं गलती कर रही थी। वह 50 अन्य मॉडलों के सामने मुझ पर चिल्लाई, जिससे मैं रोने लगी। यह घटना काफी समय तक मेरे दिमाग में बसी रही।" कृति जल्द ही टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'गणपत: पार्ट 1' में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास शाहिद कपूर के साथ एक फिल्म और उनके अपने प्रोडक्शन की पहली फिल्म 'दो पत्ती' भी है। कृति सेनन इस साल फिल्म आदिपुरुष और शहजादा में नजर आईं। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रहीं।